नवभारत
भोपाल, गुरुवार 19 मार्च 2026

# पैक्स कर्मचारियों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

## मांगें पूरी न होने पर हड़ताल की दी चेतावनी, 25 तक अल्टीमेटम

- कलेक्ट्रेट पहुंचकर कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन
- वेतन, पदोन्नति और बकाया भुगतान की मांग

**छतरपुर, 18 मार्च. जिलें में पैक्स कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा. कर्मचारियों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेंगे.**

बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे म.प्र. सहकारिता समिति महासंघ, जिला इकाई छतरपुर के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे. यहां उन्होंने मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री और खाद्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा. महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि 22 सितंबर 2025 को हुई बैठक में उनकी मांगों के समाधान पर सहमति बनी थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है.ज्ञापन में कर्मचारियों ने अक्टूबर 2023 से बढ़ा हुआ वेतन लागू करने, हर माह नियमित वेतन भुगतान, विक्रेताओं को 18 माह की बकाया राशि दिलाने, सहायक समिति प्रबंधकों की पदोन्नति और कनिष्ठ विक्रेताओं की परिवीक्षा समाप्त करने की मांग रखी है. इसके अलावा गेहूं खरीदी की लंबित कमीशन राशि के भुगतान की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई. महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि 25 मार्च 2026 तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो 1 अप्रैल से प्रदेश की 4523 पैक्स समितियों और 22,500 उचित मूल्य दुकानों के करीब 55 हजार कर्मचारी अनिश्चितकालीन धरना और कलमबंद हड़ताल शुरू करेंगे. कर्मचारियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में शासकीय योजनाएं प्रभावित होंगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी.

# बमीठा स्वास्थ्य केंद्र बना नंबर-1

## बेहतर इलाज, स्वच्छता और टीमवर्क से प्रदेश में अव्वल, खुशी का माहौल

**बेहतर इलाज और साफ-सफाई बनी सफलता की वजह**

**छतरपुर, 18 मार्च. जिले के बमीठा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है. इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है और स्वास्थ्य विभाग में उत्साह का माहौल बना हुआ है.**

जानकारी के अनुसार, बमीठा स्वास्थ्य केंद्र ने मरीजों को बेहतर इलाज, समय पर सेवाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय कार्य किया है. यहां आने वाले मरीजों को त्वरित उपचार के साथ पूरी देखभाल और आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाता है.

**डॉक्टरों और स्टाफ की मेहनत से सफलता मिली**

डॉक्टरों और स्टाफ की मेहनत, समर्पण और जिम्मेदारी ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. स्वास्थ्य केंद्र में नियमित टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और आपातकालीन सेवाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं. साथ ही गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं, जिससे लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है. स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है. उन्होंने भरोसा जताया कि आगे भी इसी तरह बेहतर सेवाएं जारी रखते हुए लोगों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी.

# तेज रफ्तार डम्पर ने गौमाता को कुचला

## ग्रामीणों में फैला भारी आक्रोश, सड़क पर किया चक्का जाम, विरोध प्रदर्शन शुरू

**गौमाता की मौके पर मौत, ग्रामीणों में आक्रोश**

**कंपनी के वाहन पर कार्रवाई की मांग**

**छतरपुर, 18 मार्च. जिले के बमीठा क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां तेज रफ्तार डम्पर ने सड़क पर चल रही गौमाता को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.**

घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. जानकारी के अनुसार यह हादसा बमीठा से रनगुवा-भूसोर मार्ग के बीच हुआ. बताया जा रहा है कि केन-वेतवा लिंक परियोजना में लगी एनसीसी कंपनी का डम्पर तेज रफ्तार में आ रहा था, जिसने गौमाता को टक्कर मार दी.

**चक्का जाम के कारण सड़क पर लगा लंबा जाम**

हादसे के तुरंत बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और गुस्साए लोगों ने दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही रोक दी .चक्का जाम के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया . ग्रामीणों ने डम्पर चालक और संबंधित कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि तेज रफ्तार वाहनों के चलते क्षेत्र में लगातार हादसे हो रहे हैं . सूचना मिलने पर केन-वेतवा लिंक परियोजना के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे . अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया . फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और स्थिति को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं .

# बागेश्वर धाम में हादसें में दीप की लौ से महिला की साड़ी में लगी आग

- बिहार से दर्शन करने आई महिला झुलसी
- जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती

**छतरपुर, 18 मार्च. स्थित बागेश्वर धाम में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया. श्रद्धा और भक्ति के बीच एक महिला श्रद्धालु अचानक आग की चपेट में आ गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई.**

जानकारी के अनुसार बिहार निवासी मंगला देवी अपने परिवार के साथ धाम में दर्शन-पूजन के लिए आई थीं. सुबह करीब 11 बजे वह गदा स्थल के पास प्रार्थना कर रही थीं, तभी वहां जल रहे दीपक की लौ उनकी साड़ी से लग गई. देखते ही देखते साड़ी में आग फैल गई.मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने तुरंत आग पर काबू पाया और महिला को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया.

> डॉक्टरों ने उन्हें बर्न वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू किया . राहत की बात यह है कि चिकित्सकों के अनुसार महिला की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है . इस घटना ने एक बार फिर धार्मिक स्थलों पर भारी भीड़ और दीपक जैसी ज्वलनशील वस्तुओं के पास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं .

# स्कूलों में संकट में बच्चों का भविष्य

## घटिया भोजन, समय से पहले बंद हो जाता स्कूल

- गड़रपर में खराब मिड-डे मील, ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग
- जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की

**छतरपुर, 18 मार्च. चंदला क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है. चंदला संकुल के शासकीय प्राथमिक शाला अहीरनपुरवा में शिक्षकों की लापरवाही सामने आई है.**

ग्रामीणों के अनुसार, यहां पदस्थ शिक्षक रोजाना निर्धारित समय से पहले ही दोपहर करीब 2 बजे स्कूल में ताला लगाकर चले जाते हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है.ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की. समय से पहले स्कूल बंद होने से बच्चों के भविष्य पर नकारात्मक असर पड़ रहा है.वहीं बछौन संकुल के प्राथमिक शाला गड़रपर में मध्यान्ह भोजन योजना की हालत भी चिंताजनक है.

बच्चों को दाल और सब्जी के नाम पर बेहद पतला और पानी जैसा भोजन दिया जा रहा है, जिससे पोषण पर सवाल खड़े हो रहे हैं.ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल में पदस्थ एक शिक्षिका अक्सर अनुपस्थित रहती हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था और कमजोर हो रही है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दोनों मामलों की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं मिल सकें.

# खुले में मांस बिक्री पर रोक की मांग

- बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

**छतरपुर, 18 मार्च. राजनगर तहसील में खुले में मांस बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर बुधवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा.**

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि इस मुद्दे को लेकर वे करीब 50 बार आवेदन दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है.ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही खुले में मांस बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई, तो वे स्वयं दुकानों को हटाने की कार्रवाई करेंगे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की घटना की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी.कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंदिर आने-जाने वाले लोगों को रास्ते में लगी इन दुकानों से फैल रही गंदगी और दुर्गंध के कारण काफी परेशानी होती है. इससे धार्मिक भावनाएं आहत होने के साथ-साथ आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है.इस दौरान जिला सह संयोजक यादवेंद्र सिंह परमार, जिला अध्यक्ष राजकुमार गंगेले, जिला मंत्री आशीष गुप्ता, शिवांक अवस्थी, अमन दीक्षित, हरिओम दुबे और सचिन यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

# मंडी में फड की राशि बंद करने पर बनी सहमति

**सिरोंज.** कृषि उपज मंडी में डाक तुलाई की दरें निर्धारित करने के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में एसडीएम एवं मंडी भारसाधक अधिकारी हरिशंकर विश्वकर्मा की मौजूदगी में व्यापारियों, हम्मालों, तुलावटों एवं किसान प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई. बैठक में आगामी वर्षों के लिए मंडी में डाक तुलाई की दरें निर्धारित करने के संबंध में चर्चा हुई. जानकारी के अनुसार मंडी में दो वर्ष के लिये हम्माली, तुलाई की दरें निर्धारित की जाती है. इस बार 31 मार्च तक के लिए यह दरें निर्धारित है. बैठक में आगामी वर्षों के लिए डाक तुलाई की दरें निर्धारित करने के संबंध में व्यापारियों, हम्मालों, तुलावटों एवं किसान प्रतिनिधियों ने पक्ष रखा. इस दौरान हम्माल, तुलावट की ओर से दरें बढ़ाने की बात कही गई. जबकि किसान प्रतिनिधियों द्वारा मंडी में जिंसों की तौल धर्मकांटे पर होने पर उनकी मजदूरी किसानों से ना लिये जाने की बात कही गई.

# गैस डिलीवरी में देरी पर एजेंसी में निरीक्षण

- शिकायत के बाद तहसीलदार ने की जांच
- उपभोक्ता को तुरंत मिला सिलेंडर

**छतरपुर, 18 मार्च. शहर के सागर रोड स्थित कृपालु इंडेन गैस एजेंसी में बुधवार को प्रशासन ने औचक निरीक्षण किया. यह कार्रवाई कलेक्टर की जनसुनवाई में मिली शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें उपभोक्ता ने समय पर गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं होने की समस्या बताई थी.**

शिकायतकर्ता के अनुसार, गैस सिलेंडर में देरी के कारण घर में खाना बनाने तक की दिक्कत खड़ी हो गई थी, जिससे परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. मामले को गंभीरता से लेते हुए नायब तहसीलदार आस्था चौबे और खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची.

**अधिकारियों ने कर्मचारियों से पूछताछ कर डिलीवरी की स्थिति समझी**

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एजेंसी के रिकॉर्ड, स्टॉक और वितरण व्यवस्था की गहन जांच की . कर्मचारियों से पूछताछ कर डिलीवरी सिस्टम की वास्तविक स्थिति समझी गई . स्थानीय लोगों के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को कुछ समय तक इंतजार भी करना पड़ा, जो चर्चा का विषय बना रहा .प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जांच पूरी कर ली गई है और शिकायतकर्ता को तत्काल गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिया गया है . साथ ही एजेंसी संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में समय पर गैस वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो .

# भीड़ में बिछड़े बच्चे को डायल-112 टीम ने सुरक्षित परिवार से मिलाया

## जिला अस्पताल में भीड़ में 7 साल का बच्चा भटका गया

**छतरपुर, 18 मार्च. जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र से मानवता और पुलिस की सतर्कता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है.**

जिला अस्पताल परिसर में अपने परिजनों से बिछड़ गया 7 वर्षीय मासूम, पुलिस की मदद से सुरक्षित अपने परिवार तक पहुंच गया.जानकारी के अनुसार, अस्पताल में भारी भीड़ के चलते बच्चा अपने परिजनों से अलग हो गया और घबराकर इधर-उधर भटकने लगा. सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को अपनी सुरक्षा में लिया.पुलिस जवानों ने धैर्य और समझदारी का परिचय देते हुए बच्चे से जानकारी जुटाई और लगातार प्रयास कर उसके परिजनों को ढूंढ निकाला.जब मासूम को उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया, तो परिवार की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे. परिजनों ने छतरपुर पुलिस और डायल-112 टीम का आभार व्यक्त किया. इस घटना ने पुलिस के मानवीय और संवेदनशील चेहरे को उजागर किया है, जिसकी स्थानीय लोगों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है.

**कार्यक्रम** सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री वर्चुअली हुए शामिल

# खजुराहो एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ बैरक लोकार्पण

- सीआईएसएफ जवानों के लिए नए बैरक का उद्घाटन
- मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने वर्चुअल सहभागिता की

**छतरपुर, 18 मार्च. विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी खजुराहो में एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है.**

यहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों के लिए नए बैरक का लोकार्पण किया गया. इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू और खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा वर्चुअली शामिल हुए. कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि देश में तेजी से एयरपोर्ट्स का विस्तार हो रहा है, जिससे आम लोगों के लिए हवाई यात्रा अधिक सुलभ बन रही है.

उन्होंने नरेंद्र मोदी के 'हवाई चप्पल वाले भी हवाई जहाज में सफर करें' विजन का उल्लेख करते हुए उड़ान योजना की सराहना की. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश में वर्तमान में 10 एयरपोर्ट्स से उड़ान सेवाएं संचालित हो रही हैं और आने वाले समय में अन्य जिलों में भी यह सुविधा बढ़ाई जाएगी.

> साथ ही एयर एंबुलेंस सेवा के विस्तार पर भी जोर दिया गया, जिससे आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं और अधिक प्रभावी हो सकें . इस अवसर पर रीवा-रायपुर नई विमान सेवा के शुभारंभ पर भी शुभकामनाएं दी गईं . कार्यक्रम में एयरपोर्ट निदेशक संतोष सिंह, सीआईएसएफ कमांडेंट काशो उर्वशी शाह सहित अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे . नए बैरक के निर्माण से खजुराहो एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी .

# अनोखे अंदाज में कांग्रेस ने किया विरोध

## कार्यकर्ता सिलेंडर लेकर पहुंचे छत्रसाल चौक

- गैस कीमत घटाने और आपूर्ति सुधार की मांग
- सिलेंडर सिर पर रखकर जताया गुस्सा

**छतरपुर, 18 मार्च. गैस सिलेंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया. विरोध जताने के लिए कार्यकर्ता अनोखे अंदाज में सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की.प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता सिर पर गैस सिलेंडर रखकर छत्रसाल चौक पहुंचे. यहां उन्होंने चूल्हे पर चाय बनाकर गैस कीमतों में बढ़ोतरी और सिलेंडर की कमी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया, जिससे आम लोगों का ध्यान भी आकर्षित हुआ.**

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और कई जगहों पर समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है. इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने सरकार से मांग की है कि गैस की कीमतों में राहत दी जाए और आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाकर समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए.